

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 307]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 20, 1970/श्रावण 29, 1892

No. 307]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 20, 1970/SRAVANA 29, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 20th August 1970

S.O. 2810/15/IDRA/70.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been, or is likely to be substantial fall in the volume of production in respect of cotton textiles manufactured in the industrial undertakings known as Mysore Spinning & Manufacturing Co. Ltd., Bangalore and Minerva Mills Ltd., Bangalore for which, having regard to the economic conditions prevailing there is no justification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

1. Shri I. B. Das Gupta, 168F, Ambedkar Road, Bombay-14.

Members

2. Shri M. G. Mirchandani, Director (Technical), National Textile Corporation.
3. Shri K. K. Dhar, Managing Director, National Textile Corporation.
4. A representative of the Mysore Government.
5. Shri R. N. Bansal, Registrar of Companies, Madras.

Member-Secretary

6. Shri M. Padmanabhan, Deputy Director, Office of the Textile Commissioner, Bombay.

[No. F. 9(17)Lic.Pol./70.]

K. D. N. SINGH, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास तथा आंतरिक व्यापार मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1970

का० प्रा० 2810/15/आई जी आर ए/70.—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि मैसूर स्पिनिंग एण्ड मैन्युफैक्चरिंग कं० लि०, बंगलौर और मिनर्वा मिल्स लि०, बंगलौर नामक औद्योगिक उपक्रमों में निर्मित सूती वस्त्रों के उत्पादन के परिमाण में भारी गिरावट हुई है, अथवा होने की संभावना है, जिसके लिये, विद्यमान आर्थिक स्थितियों को देखते हुए, कोई औचित्य नहीं है।

अतः अब उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, मामले की परिस्थितियों को समग्र तथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्थ, निम्नलिखित व्यक्तियों के एक निकाय की एतद्वारा नियुक्ति करती है :—

अध्यक्ष

- (1) श्री आई० बी० दास गुप्ता, 168-एफ० अम्बेडकार रोड, बम्बई-14

सदस्य

- (2) श्री एम० जी० मीरचंदानी, निदेशक (तकनीकी,) राष्ट्रीय वस्त्र निगम
 (3) श्री के० के० धर, प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय वस्त्र निगम
 (4) मैसूर सरकार का प्रतिनिधि
 (5) श्री आर० एन० बंसल, कंपनी रजिस्ट्रार, मद्रास

सदस्य-सचिव

- (6) श्री एम० पदमानाभन, उपनिदेशक, वस्त्र आयुक्त का कार्यालय बम्बई

[सं० फा० 9 (17) एल० आई० सी० पोल/70.]

के० डी० एन० सिंह, संयुक्त सचिव।